भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

प्रेस विज्ञप्ति

कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बसु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के 100 गौरवशाली वर्ष पूर्ति समारोह

नई दिल्ली, 19 दिसंबर, 2024: कोलकाता के केंद्र में स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बसु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परंपरा और नवीनता का जीवंत स्वरूप होने के साथ ही एक ऐसा प्रवेश द्वार है जिसने सौ वर्षों से भारत की विमानन यात्रा को गढ़ने का कार्य किया है, जो लचीलापन, प्रगति और संपर्क का एक स्थायी प्रतीक भी है।

वर्ष 1924 में दमदम हवाई अड्डे के नाम से स्थापित, कोलकाता हवाई अड्डे ने बंगाल फ्लाइंग क्लब (1929) की मेजबानी करके, पहला जेट सेवा केंद्र (1964) बनाया और वर्ष 1975 में अपना पहला समर्पित एयरलाइन कार्गो टर्मिनल खोलकर भारतीय विमानन में अग्रणी भूमिका निभाया। वर्ष 1995 में इसका नाम बदलकर नेताजी सुभाष चंद्र बसु अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा कर दिया गया और 2013 में इसके नए एकीकृत टर्मिनल का उद्घाटन किया गया जिसमें विरासत और नवाचार का सुंदर मिश्रण देखने को मिलता है जो पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के प्रवेश द्वार के रूप में प्रसिद्ध है।

इस ऐतिहासिक अवसर पर, कोलकाता हवाई अड्डा का शताब्दी वर्ष पूर्ति समारोह दिनांक: 21 दिसंबर, 2024 को मनाया जाएगा जिसका भव्य उद्घाटन माननीय केंद्रीय नागर विमानन और सहकारिता राज्य मंत्री श्री मुरलीधर मोहोल; माननीय संसद सदस्य (लोकसभा), प्रो. श्री सौगत राय, नागर विमानन मंत्रालय के सचिव श्री वी. वुअलनाम, माननीय अध्यक्ष, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, श्री विपिन कुमार और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में माननीय केंद्रीय नागर विमानन मंत्री श्री राममोहन नायडू किंजरापु द्वारा किया जाएगा। यह समारोह हवाई अड्डे की समृद्ध विरासत को दर्शाता है और साथ ही भारतीय विमानन के भविष्य को आकार देने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी प्रदर्शित करता है।

इस अवसर को चिह्नित करते हुए, कोलकाता हवाई अड्डे पर एक बजट-फ्रेंडली "उड़ान यात्री कैफे" का भी उद्घाटन किया जाएगा। यह नागर विमानन मंत्रालय और भाविप्रा की परिवर्तनकारी पहलों के तहत एक पायलट परियोजना है। यह कैफे यात्रियों को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराएगा जो उनके यात्रा अनुभव को बेहतर बनाएगा। साथ ही, इस अवसर पर हवाई अड्डे के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर स्मारक डाक टिकट और सिक्का जारी किया जाएगा तथा भाविप्रा के आधुनिक हवाई अड्डा वास्तुकला में परिलक्षित भारतीय सांस्कृतिक विरासत पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया जाएगा।

1,566.3 एकड़ भूमि और 2,30,000 वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्र में फैला ने.सु.चं.ब.अं. हवाई अड्डा प्रति वर्ष 2.6 करोड़ यात्रियों को सेवाएँ देने में सक्षम है जो लगभग 49 घरेलू तथा 15 अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों से जुड़ा हुआ है। यह हवाई अड्डा पूर्वी भारत को विश्व से जोड़ने वाले अत्याधुनिक कार्गो टर्मिनल सहित मजबूत वायु-कार्गो सेवाओं के माध्यम से आर्थिक वृद्धि में भी योगदान प्रदान करता है।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का कोलकाता हवाई अड्डा जब अपने राष्ट्रसेवा के 100 वर्षों का उत्सव मना रहा है, तब यह 'सिटी ऑफ जॉय' के एक शानदार स्मारक का प्रतीक सा बन गया है। अपनी साधारण शुरुआत से लेकर विश्व के प्रमुख विमानन केंद्रों में अपना स्थान बनाने तक, कोलकाता हवाई अड्डा हमेशा लोगों, संस्कृतियों और देशों को जोड़ने वाला एक सेतु रहा है।

निगमित संचार निदेशालय द्वारा जारी

विवरण हेतु महाप्रबंधक (नि.सं.) से कृपया संपर्क करें: 011-20818228

प्रेस विज्ञप्ति संख्या 25/2024-2025

5